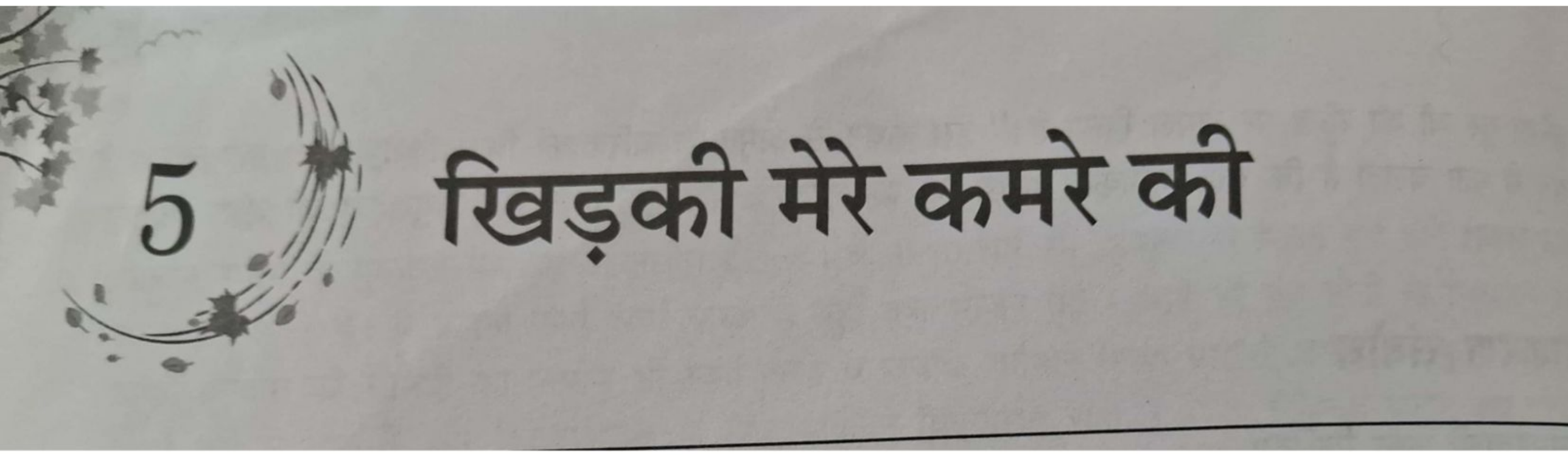

5 खिड़की मेरे कमरे की

लिखिए

1. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—**

जब उदास ···होता मेरा मन···
···डसने लगता··· एकाकीपन
तब ···चुपके से पास··· बुलाती
सुखद दृश्य ···मुझको दिखलाती···

समझिए व्याकरण संबोध

1. इन शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए—

सौरभ — ''स्'' + ''औ''+''र्'' + ''अ'' + ''भ्'' + ''अ''

मधुरिम — ''म'' + ''अ'' + ''ध्'' + ''उ'' + ''र्'' + ''इ'' + ''म्'' + ''अ''

उदास — ''उ'' + ''द्'' + ''आ'' + ''स्'' + ''अ''

सहेली — ''स्'' + ''अ'' + ''ह्'' + ''ए'' + ''ल्'' + ''ई''

2. इन शब्दों के लिए कविता में से ही उपयुक्त पर्यायवाची खोजिए और लिखिए—

कक्ष — '''कमरा''	महक — '''सौरभ''	सखी — '''सहेली''	चिट्ठी — '''पाती''
हवा — '''पवन''	नवीन — '''नूतन''	खुश — '''प्रसन्न''	हमेशा — '''सदा''

3. **इन पंक्तियों में आई क्रियाओं को चुनकर लिखिए—**

क. ठंडे पवन झकोरे लाती ···लाती···

ख. परदे का आँचल लहराती ···लहराती···

ग. मधुरिम रोज़ प्रभाती गाती ···गाती···

घ. तब चुपके से पास बुलाती ···बुलाती···

ङ. सुखद दृश्य मुझको दिखलाती ···दिखलाती···

अब इन क्रियाओं का वाक्य में ऐसे प्रयोग कीजिए कि वे एक कविता बन जाएँ—

···खड़-खड़ करके हमें बुलाती···

···ठंडे-ठंडे झोंके लाती···

···सुखद दृश्य हमें दिखलाती···

···खिड़की मुझे बहुत है भाती···

4. **इन संज्ञा शब्दों से वाक्य बनाइए—**

खिड़की — ···मेर कमरे में एक बड़ी खिड़की है।···

उमंग — ···त्योहार हमारे जीवन में उमंग भर देते हैं।···

सहेली — ···मेरी सहेली का नाम मीतू है।···

PAGE NO.
DATE

पाठ - 5 खिड़की मेरे कमरे की

इस कविता में कवि ने खिड़की को अपनी मित्र बताकर उसका महत्व बताया है।

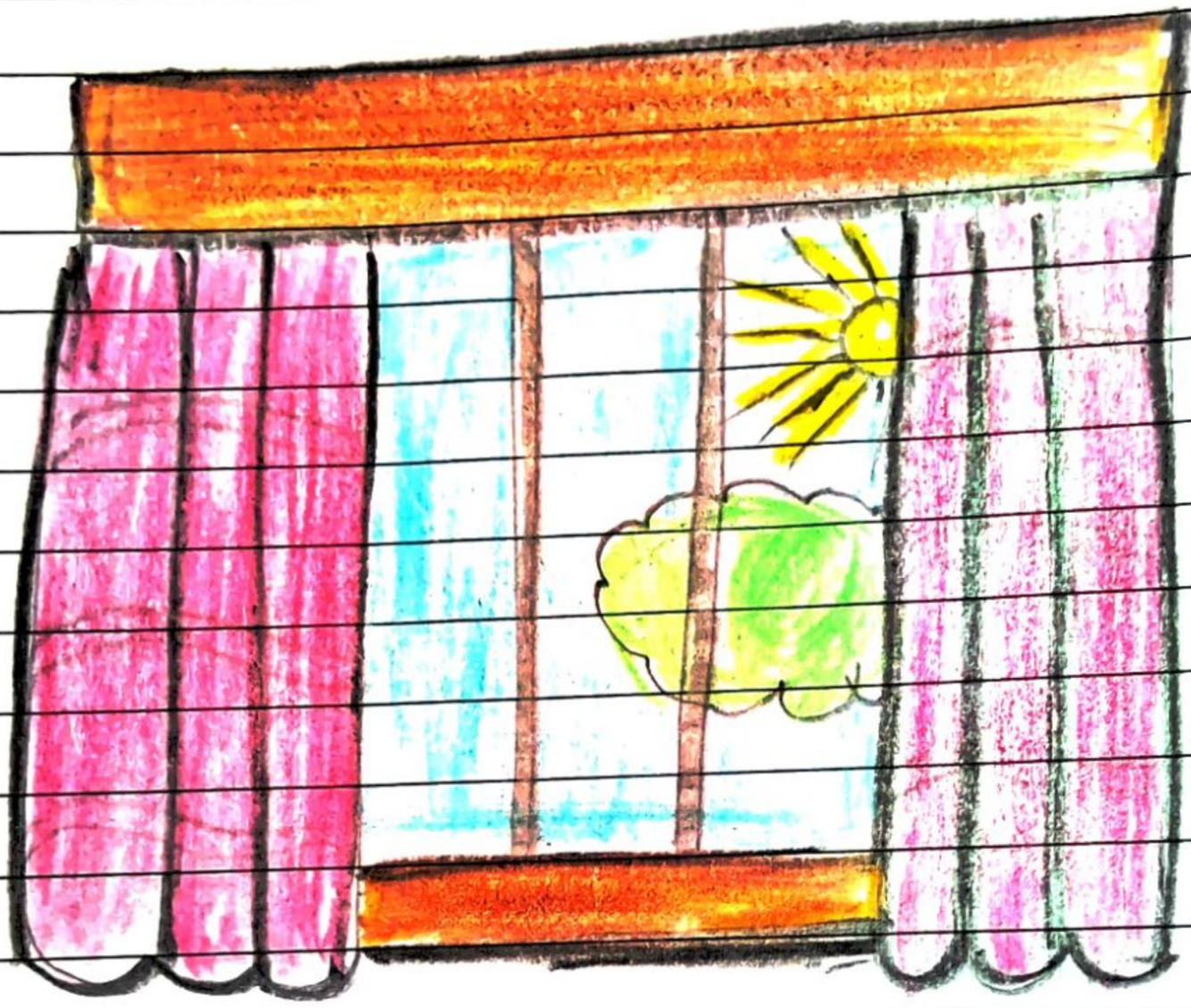

श्रुतलेखन शब्द

1. आँचल	6) प्रभाती	11) मौसम
2. खिड़की	7) पवन	12) उदास
3 किरणें	8) मन	13) प्रसन्न
4 ठंडे	9) जोश	14) थकान
5 चिड़िया	10) थककर	15) सहेली

शब्दार्थ

1. झकोरे - हवा के झोंके
2. सौरभ - खुशबू, महक
3. नूतन - नई
4. उमंग - उल्लास, जोश
5. एकाकीपन - अकेलापन।
6) सुखद - सुख देने वाला
7) दृष्टि - नज़र
8) पाती - पत्र, चिट्ठी
9) क्षितिज - वह स्थान जहाँ पृथ्वी और आकाश मिलते हुए से प्रतीत होते हैं।

कुछ शब्दों में:

प्र०1 खिड़की कैसे दृश्य दिखाती है?

उत्तर खिड़की सुखद दृश्य दिखाती है।

प्र०2 सदा सहेली-सी कौन मुसकाती है?

उत्तर सदा सहेली-सी खिड़की मुसकाती है।

प्र०3 खिड़की मौसम का पाती कहाँ से लाती है?

उत्तर खिड़की मौसम की पाती दूर क्षितिज से लाती है।

कुछ वाक्यों में

प्र०1 खिड़की रोज़ सुबह क्या करती है?

उत्तर- खिड़की रोज़ सुबह ठंडी हवा के झोंके, नवप्रकाश की किरणें और फूलों की महक लाती है।

प्र०2 कवि ने खिड़की को सहेली क्यों कहा है?

उत्तर- जब कवि उदास होता है तो खिड़की बाहर के सुंदर दृश्य दिखाती है और उदासी दूर करती है इसलिए कवि ने उसे सहेली कहा है।

प्र०3 खिड़की कवि की थकान कैसे दूर करती है?

उत्तर खिड़की शुद्ध हवाएँ लाकर कवि की थकान दूर करती है।

प्र०4 "मौसम की पाती ले आती". खिड़की के लिए ऐसा क्यों कहा गया है?

उत्तर हम खिड़की से बाहर की दुनिया देख पाते है। हवा में उपस्थित गरमाहट, ठंडक और नमी के अनुभव करके हमें मौसम की जानकारी मिलती है।